R-17 (स्मरणीय तथ्य)

Page No.:
Date:

आवासीय बाल प्रतियोगिता निकेतन, बिहटा, पटना

वर्ग - II से उपर सभी वर्गों (सभी के लिए)

विषय - हिन्दी (लोकोक्ति एवं इसके अर्थ)

◻ लोकोक्ति को 'कहावत' और 'जनश्रुति' के नाम से भी जाना जाता है।

क्र०सं०	लोकोक्तियाँ (Proverbs)	अर्थ (Meaning)
1.	अधजल गगरी छलकत जाय	थोड़ी विद्या, धन या बल होने पर इतराना
2.	आगे कुआँ, पीछे खाई	हर तरफ हानि की आशंका
3.	काबुल में क्या गदहे नहीं होते	अच्छे- बुरे सभी जगह हैं
4.	खरी मजूरी चोखा काम	अच्छे मुआवजे में ही अच्छा फल मिलता है
5.	गुड़ खाये गुलगुले से परहेज	बनावटी परहेज
6.	तीन कनौजिया, तेरह चूल्हा	जितने आदमी उतने विचार
7.	दाल- भात में मूसलचंद	बेकार दखल देना
8.	नौ की लकड़ी, नब्बे खर्च	काम साधारण, खर्च अधिक
9.	मुँह में राम, बगल में छुरी	कपटी
10.	हँसुए के ब्याह में खुरपे का गीत	बेमौका
11.	हंसा थे सो उड़ गये, कागा भये दीवान	नीच का सम्मान
12.	लेना- देना साढ़े बाईस	सिर्फ मोल-तोल करना
13.	सब धान बाईस पसेरी	अच्छे-बुरे सबको एक समझना
14.	मानो तो देव नहीं तो पत्थर	विश्वास हीं फलदायक
15.	काला अक्षर भैंस बराबर	निरा अनपढ़
16.	खोदा पहाड़ निकली चुहिया	कठिन परिश्रम, थोड़ा लाभ
17.	घर का भेदी लंका ढाए	आपस की फूट से हानि होती है
18.	मान न मान मैं तेरा मेहमान	जबरदस्ती किसी के गले पड़ना
19.	मेढ़क को भी जुकाम	ओछे का इतराना
20.	बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद	मूर्ख गुण की कद्र नहीं जानता
21.	पहले भीतर तब देवता-पितर	पेट- पूजा सबसे प्रधान
22.	चमड़ी जाय, पर दमड़ी न जाय	महा कंजूस
23.	आगे नाथ न पीछे पगहा	अपना कोई नहीं होना, घर का अकेला होना
24.	आग लगाकर जमालो दूर खड़ी	झगड़ा लगाकर अलग हो जाना
25.	काली गाय सफेद बछड़ा	कुपात्र के यहाँ सुपात्र का पैदा होना
26.	कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली	दो व्यक्तियों में बहुत अंतर होना।

Scanned with CamScanner